नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर
स्थापित २००५ ई.
7897475917, 9794299451
Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक..... दिनांक : 21-09-2019

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में वनस्पति विज्ञान विभाग में ''एन्थॉल्पी इन्ट्रॉपी एवं गीब्स फ्री ऊर्जा'' विषय पर बालते हुए मुख्य वक्ता डॉ. रामसहाय ने कहा कि जैव रसायनिकि ही नही वरन् सभी प्रकृति के रासायनिक एवं भौतिक क्रियाएं संचालित होती । ऊष्मा गतिकी एवं ऊर्जा संचार ही विभिन्न घटनाओ जैसे मानसून, हवाओ की दिशा, हवाओं का चलना, ग्रीन हाउस इफेक्ट एवं जलवायु परिवर्तन के मूल में है। जैविक क्रियाओ में प्रकाश संश्लेषण, जैव विविधता का आधार एवं विभिन्न ट्राफिक स्तर पर ऊर्जा उपलब्धता का आधार भी ऊष्मा गतिकी पर ही आधारित है। जैव रासायनिक क्रियाओं की स्पोनटेनिटी एवं इनर्जेटिक कपलींग तथा शारीरिक तापमान पर ही रासायनिक क्रियाओं का सम्पन्न होना भी इन्ट्रापी, इन्थाल्पी एवं गीब्स मुक्त ऊर्जा द्वारा ही सम्पन्न हो पाता है।

व्याख्यान कार्यक्रम में विषय की प्रस्तावना रखते हुए वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि उष्मा गतिकी के तीनो नियमों के अनुप्रयोग कर जैव रासायनिकी के विभिन्न आयमों को बेहतर समझा जा सकता है। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक तथा एम. एस–सी. परास्नातक वनस्पति विज्ञान तृतीय सेमेस्टर के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

(डॉ. राजेश शुक्ला)
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी